एआईजीजीपीए में डूबते-सूखते हमारे नगरों का भविष्य विषय पर व्याख्यान

जहां हरियाली नहीं, वहां ज्यादा हिंसा : जोशी

पॉलिटिकल रिपोर्टर | भोपाल

अनुसंधान में पाया गया है कि जहां हरियाली नहीं होती, वहां हिंसा अधिक होती है। शहरों को चिड़िया-घर नहीं बनने दें। गंभीर समस्याओं का समाधान कभी भी सुविधाओं से नहीं निकलता। इनका समाधान तो दुविधा से ही मिलेगा। जल और जमीन से सीधा संबंध रखें। यह बात वरिष्ठ लेखक सोपान जोशी ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) में डूबते-सूखते हमारे नगरों का भविष्य विषय पर आयोजित व्याख्यान में कही। उन्होंने बताया कि पहले पानी के आधार पर ही गांव बनते थे। बिना पानी जमीन का कोई मोल नहीं है। उन्होंने मैले पानी के उपचार के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नगरों में स्वच्छता का कार्य प्यार से हो, घृणा से नहीं। अधिकारी-कर्मचारी ऐसा कार्य करें कि सेवानिवृत्ति पर सिर्फ पेंशन नहीं, अच्छे कार्यों का पुण्य भी साथ रहें। संस्थान के महानिदेशक आर परशुराम ने कहा कि शहरी विकास की स्पष्ट नीति बनना चाहिए।

व्याख्यानमाला

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में व्याख्यानमाला आयोजित

'स्वच्छता के कार्य प्यार से हो, घृणा से नहीं'

भोपाल। नवदुनिया प्रतिनिधि

नगरों में स्वच्छता का कार्य प्यार से हो, घृणा से नहीं। अधिकारी-कर्मचारी ऐसा कार्य करें कि सेवानिवृत्ति पर सिर्फ पेंशन नहीं, अच्छे कार्यों का पुण्य भी साथ रहे। वरिष्ठ लेखक सोपान जोशी ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) आयोजित व्याख्यानमाला 'असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम' में 'डूबते-सूखते हमारे नगरों का भविष्य' पर विचार व्यक्त करते हुए यह बात कही। जोशी ने कहा कि अधिकारी विशेष बनने का प्रयास नहीं करें।

अनुसंधान में पाया गया है कि जहां हरियाली नहीं होती, वहां हिंसा अधिक होती है। शहरों को चिड़ियाघर नहीं बनने दें। जोशी ने कहा कि गंभीर समस्याओं का समाधान कभी भी सुविधाओं से नहीं निकलता। इनका समाधान तो दुविधा से ही मिलेगा। जल और जमीन से सीधा संबंध रखें। पहले पानी के आधार पर ही गांव बनते थे। बिना पानी के जमीन का कोई मोल नहीं है। उन्होंने मैले पानी के उपचार के विभिन्न तरीकों के बारे में उदाहरण के माध्यम से जानकारी दी। संस्थान में प्रशिक्षणरत मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की शंकाओं का समाधान भी किया।

शहरी विकास की बने स्पष्ट नीति

संस्थान के महानिदेशक आर. परशुराम ने कहा कि शहरी विकास की स्पष्ट नीति बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह उत्लेखनीय कार्य करने वालों के अनुभव शेयर करने का एक माध्यम है। इस मौके पर संस्थान के प्रमुख सलाहकार एमएम उपाध्याय और गिरीश शर्मा भी उपस्थित थे।

व्याख्यान-माला

एआईजीजीपीए में व्याख्यान-माला....

स्वच्छता का कार्य प्यार से हो, घृणा से नहीं: जोशी

भोपाल(काप)।

नगरों में स्वच्छता का कार्य प्यार से हो, घृणा से नहीं। अधिकारी-कर्मचारी ऐसा कार्य करें कि सेवानिवृत्ति पर सिर्फ पेंशन नहीं, अच्छे कार्यों का पुण्य भी साथ रहे।

वरिष्ठ लेखक सोपान जोशी ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) में व्याख्यान-माला असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम में डूबते-सूखते हमारे नगरों का भविष्य पर विचार व्यक्त करते हुए यह बात कही।

जहाँ हरियाली नहीं, वहाँ हिंसा अधिक: श्री जोशी ने कहा कि अधिकारी विशेष बनने का प्रयास नहीं करें। उन्होंने कहा कि अनुसंधान में पाया गया है कि जहाँ हरियाली नहीं होती, वहाँ हिंसा अधिक होती है। उन्होंने कहाकि शहरों को चिड़िया-घर नहीं बनने दें। श्री जोशी ने कहा कि गंभीर समस्याओं का समाधान कभी भी सुविधाओं से

नहीं निकलता। इनका समाधान तो दुविधा से ही मिलेगा। जल और जमीन से सीधा संबंध रखें। उन्होंने बताया कि पहले पानी के आधार पर ही गाँव बनते थे। श्री जोशी ने बताया कि बिना पानी के जमीन का कोई मोल नहीं है। उन्होंने मैले पानी के उपचार के विभिन्न तरीकों के बारे में उदाहरण के माध्यम से जानकारी दी। श्री जोशी ने संस्थान में प्रशिक्षणरत मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की शंकाओं का समाधान भी किया।

शहरी विकास की बने स्पष्ट नीति

महानिदेशक अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान आर. परशुराम ने कहा कि शहरी विकास की स्पष्ट नीति बननी चाहिये। उन्होंने कहा कि असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम श्रृंखला उल्लेखनीय कार्य करने वालों के अनुभव शेयर करने का एक माध्यम है। इस मौके पर संस्थान के प्रमुख सलाहकार श्री एम.एम. उपाध्याय और श्री गिरीश शर्मा भी उपस्थित थे।